

573/2

प्राची क इन्के अचिवमग अगुपविर।
आकाज तिलवारी गरी। लेने देने
केरु 34 खिर नरी आप। अरा
पानके क प्रमेका पत्र अरु
हाजरी अरु जेपी से लारीक
रिप जागई। पत्राचली नरु
के मरु अरु साखिर एरु
है 1/3

